

DPN 6224

Title : चाणक्यसारसङ्ग्रह / CĀṆAKYA SĀRASANĠGRAHA
(Together with Nepala bhāṣā translation)

Run. No. 6915

Cat. No.

Micro. No.

Subject Nītiśāstra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20 X 7.2

Folios 45 Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator चाणक्य

Scribe / donor मानदास सुगतदास

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इति चाणक्ये सारसंग्रहेन द्वितीयशतकसमाप्त ॥

[illegible]

नाई ॥ ८ ॥ कतिन राखी जल जालि समुद्र समुद्र पवन ॥ ९ ॥
 दया ना ॥ १० ॥ सयिना ॥ ११ ॥ वतिक ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥
 खद ॥ १५ ॥ कः ॥ १६ ॥ वि ॥ १७ ॥ दता ॥ १८ ॥ म ॥ १९ ॥ म ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

१० स्वस्ति व० क० क० वृद्ध० स्वस्ति देवा गणेशका स्वस्ति सर्वोणि हृदयानि० सर्व
 कालीनिर्गुणवृद्धयुग्मा नरावण दवताना मज्जनव यथार्थसमश्रित्य स
 वी० र्थोद्य समदिना स्वस्ति वादीयनरान् स्वस्ति वाचरु स्यादथ व० स्वस्ति वा
 वृद्धगामा० स्वस्ति यथा गतिषु च० स्वस्ति वागी स्वस्ति दीवा० स्वस्ति मध्य
 नि सुग० सर्वेषु स्वस्ति वाकान् मा चर्यायाय मा गतु ॥ सर्व सत्वा० सर्व याणा० स
 वृद्धगामा० केवला० सर्व सखिन सन्तु० सर्व सन्तु निवामया० सर्व रुद्राणि य
 नि माकायि गताय मा गतु जानिरुद्र गानि समा गतानि० रुद्र गानि रुद्र नाव
 र्गाले व्या० केवले नु मे गी से र्गयडा सु दिवाधु जा नो च

१० नमाना वायाणाय ॥ यणम्य निवसा विष्णु लेलाका धियतिथिर्दु नानागामे दृष्ट
 नाज नितिसमूह य ॥ लेलाकाया अधियतिशब्द नावायणत्वं नमसा वयादाव नानाग
 सु सयिका सूर्या नाज नितिसमूह तया र्व जनक्य ॥ १ ॥ अधिष्टव मिर्दलार्क नलाका सति
 तत्त्वतः ॥ ४ ॥ धर्माय दग विनय कार्याकार्य गुणगुरु ॥ निष्ठय नमनूयान धर्मा सु धनवर्ध तत्त्वमव
 दाव धर्मा ना अधर्मा ना सयव उद्यदग वन शयव कार्य सु कार्य सयव सूरुज गुरु सय
 व ॥ २ ॥ तदहं सयव कामि नवाणां हित कामया यनयुक्ता यवदहं मतिव हित काविणी ॥ मनु
 ष्याते हित याय कामनान जनक्य च नयुक्ता यव न यव न धर्मा सु धनवर्ध सयामा नदी
 दगाया मामन हित याकाथ धर्मा सु न हित याती ॥ ३ ॥ हस्तसूर्य यव कामि वानक नहु नाथिती

यनयकृतमालिन, सर्वकृत्तुदितजायत ॥ मूलसूत्रं ऊनकृत्य द्वायनचानक सधिसिद्धि
 ग्वनयूयूयस्यीन, धनसंभयामालिन, गथयवमधुवस्य, दूतकविद्यावत्मानसर्व, अथ
 सयुव ॥ ६ ॥ मूर्खसंभयायदे, गन, दूतासीरुवजनच । दिखेतसिधियाजन, यधितारयावसी
 दति ॥ मूर्खजातिमनदयदगवियथखत, कचयितुसीवसुकरुवनननियकीथखत, दूद्वि
 यकनत्वाकागकृवा, गधियार्यथखत, धनयवकाव, सुनिश्चयसर्ग, अदसाबादवनिव ॥
 ॥ ७ ॥ गुनेति ४ सदस्यिक ४ यलिते ४ सदस्यिकथा । कुलिति ४ सदस्यिक, कुवाणिनावसीदसी
 ॥ यमंगयायजुर्व, गुनिकर्षीय, रवीकायजुर्व, सुनिर्द्धीवा, मिश्रसर्जनयायजुर्व, कुलव
 नर्द्धीवा, धथयाकर्षी, अजवसानवेन, महूव ॥ ८ ॥ उन्मत्तान्दुर्जगानी, मद्ययानीचदनि

नी । श्रीनाजकृतानाच, विष्णुसक्तिगतायुख ॥ द्वायवाथखत, विडाथखत, धनकावडा
 थखत, किसिवाथखतसीवाथखत, वाजावाथखत, धनवाविष्णुसयातकाव, धवक्रियाज
 यूनविचनयिहासीर्विनयुवख ॥ ९ ॥ वेचिनसिद्धविष्णुस, यानचकर्वेसिद्धि, सदकागृदय
 सिसूय, ४ यतितयतिवृद्धत ॥ ग्वनयूयूयनगकृवाविष्णुगयाय, यर्व, डाद्वीया, गिमाथा
 स, कठवर्ग, सिमानकर्तकननिद्रुठना, वायुव ॥ १० ॥ धनधान्य ४ यथागधू, विद्यासिद्धम
 दसयुव । आकाववावकावय, ह्यकलसासदावत ॥ धनसादासयार्यथखत, वाद्धाद्व
 कायसिद्धखत, विद्यास्यनिर्सीथखत, वावकावसिद्धखत, धनसलाजतालतमाल ॥ ११ ॥ नगु
 न ४ सदसीमाता, नगुन ४ सदसीयिता । सयसुवतिमदाधार्प, ससावादविदूहर्ष ॥ गानखा

पुनूषया मामगुच वायगुच दुसुचससावहातडा समूहसतिवयुलख ॥१०॥ मातागंगास
 मतीर्थ यितायुक्तवमवच गुचकदावसमतीर्थ मातागंगायुन ४युन ४॥ पुनूषमनूषायामाम
 इरतीर्थगंगाथ वायइरयुक्तवधायातीर्थथ गुचकदावधायातीर्थथ मामइरकुय
 रुयगंगाथरव ॥११॥ वीद्यावृयकपूयानां कमापूयतयस्विनां काकिलानां चरुयुयं नालि
 वृययतिवता ॥ कपूययावृयइरविद्या नयधियावृयइरकमा काकिलयावृयइरसुवस
 यावृयइरयतिवताइय ॥१२॥ नचविद्यासमावधु नचवाधिसामाचिय ४ नचायतसम
 स्रु नचदेवाद्यलतली ॥ सजनइर विद्यावाकुलमदू गुरुइरसाव्याधिडाकुलमदू सन
 रुइरसा कायकावडाकुलमदू वलिइरसाविधातावाकुलमदू ॥१३॥ विद्यायुवासिनामि

५ नयामिगुदुवच आकुवसोषधमिगु धम्ममिगु यवणच ॥ यवयसयामिगुइरविद्या कुं
 यामिगुइर ४ वायेयामिगुइरडावधि यवणयामिगुइरधम्म ॥१४॥ देवाधिताविरीविद्याअ
 डिगुभाजतीविषी विषीणासिदविदस्य वृद्धस्यतनूनिविषी ॥ ताकालगुहासमयातडाव स
 याविद्याविषइर अजिनइरडाव नयाअनइरवइर धमतासतइरडाव कृति (गाणवि
 यइर) साथयालासीकलातविषइर ॥१५॥ अनाद्यासिदताविद्या निथदासिदतासुय ४
 कविर्यनरुतकरी रुयदोषेदतावृय ॥ अयासमयातडाव सयाविद्याकुलइर वलअव
 लसीकुलयलडाव सुखीकुलइर अथाहययवडाव वरुलइर उगवेनमसिनेडाव
 नजाकुलइर ॥१६॥ यस्मयुनानविद्यासा नसुवानचयणुत ४ अर्धकालीकलीतस्यनव

वल्लवसर्वनी ॥ घनयूयूयया कायनाम् ममवडाव धूर्ममश्चडाव ग्यानिमश्चडाव धुया
 कर्ल वल्लमामया वातिथीं शिद्धम्विनख ॥ ११ ॥ सर्वनीदीयद्वधुर्ल यज्ञानवविदीय
 क० शिलावदियकाधर्म सूयूयाकलदियक० ॥ वाणिधामासाइव भता वल्लमाता दिन
 साहायमानयक धूर्मतां लेलावयाभतेश्वरधर्म कलयाभतेश्वर सूयूयकाय ॥ १४ ॥
 उनतावायनतावा यमुविशाययकुति अनदाताजयताता यवतायि तवस्मृता ॥ १५ ॥
 नमविवर्द्ध धमयतियालयाकीर्द्ध धमविश्वस्मृद्ध नमदलनकवर्द्ध धर्माद्धवायधा
 य ॥ १६ ॥ घनयूयूयतीवाजयति मिश्रयति तथेव च यन्निमातामामाताच यच्छतमातवस्मृता ॥
 ॥ घनयूयूयतीधश्च वाजायास्तीधश्च धवस्मीयामार्मधश्च धर्माद्धमामधाय ॥ २० ॥ ला

लयतयअवर्षानि दलवर्षानिताजयत ॥ स्यायधुवाठलवर्षयूमीमिहसिमाचवत ॥
 घनयूयूययाकाय कर्तुतासाद्धनकय जिदीताताजयति किमवर्द्धदतडावेका
 यवाववर्षी मिश्रताचयवर्द्धवय ॥ २१ ॥ लालयवर्द्धवादाखा ० ताउयवर्द्धवागुना ० तस्मा
 तस्मातयूर्णवर्द्धवाच ताउयतनकुलालयत ॥ कायमावाधवसूयनद्धायान अनकद
 घन ताउयतवर्द्धव अनकगुण धर्तेश्वरडाव धवकार्यधश्च मिश्रकार्यधश्च ता
 उयमात लालवययकमतव ॥ २२ ॥ वृचिनयासयास्यासा ० यज्ञायाकिययाजनी
 तावरीयदिनेस्यातां यज्ञायाकिययाजनी ॥ घनयूयूय विद्यासमवृचिन धलिवश्च
 प्रसासवृद्धाचिवश्च वृचिनर्वाज्यासवृमते दतडाव यज्ञावक इयावद्धय ॥ २३ ॥

पूरासु विविधेषाम्, नियासासतर्द्धेषु॥ निरुयावृद्धिर्मेयन्, तव निखलूयुजिता॥
 कानि लोकनकाय, थावयन्नाक्रम कायनामसवदाव, लोकसमस्यैमानियायुध॥२४॥
 य०युक्तकिमावस्य, मय०अनावेदादाक०य०त०युजितावाजा, य०युक्तदिनदिन॥ वानक
 मयीस्यै, थक कायदादा, अनामसतव, नासुस्यदूनकायभास्यै, नागमसवसा, ससाव
 थावदाकवयिव, नासुसवसा, वाजायुजान् मोनयाय, दिव्यति नासुस्यदूनकायदा
 व॥२५॥ दिनयुक्तियतयित्, किमाताय०युजाऊकै, नासुस्यदूनकायभास्यै, नागमसवसा, ससाव
 खेवविद्विजित०गुनमयनयादून, अनायनन, कुपथाऊन, दुदुह, यमदुसा, यथुनका
 स्वायकान, मूलमवने॥२६॥ नवेस्यारुवनैवृय, वृयस्यारुवनैगुन०गुनस्यारुवनैरुनै

कानस्यारुवनैरुमा॥ मनूकया आरुवनैरुवृय, वृयया आरुवनैरुवृय गुन गुनया आरु
 वनैरुवृय कान, कानया आरुवनैरुवृय रुमा॥२७॥ गुनयुक्तमिमावृय, गीलयुक्तमिमावृली
 सिद्धियुक्तमाविद्या, सागयुक्तमिमावृनी॥ वृयवतययगुणयदून, कूलमखतययगु
 लयदून, विद्यामखतययसिद्धियदून, वनमखतययदतुरुकथेदून॥२८॥ अगुणस्य
 दतुरुय्य अगीलस्यदतुरुकली, अगीलस्यदतुरुकली, अगीलस्यदतुरुकली, अगीलस्यदतुरुकली
 दाववृयवृयलरुवृ, गीलमखिनदावकूलवृयलरुवृ, सिद्धिमखदावविद्यावृयलरुवृ
 वृ, दतुरुकमयातदाववनवृयलरुवृ॥२९॥ गुनयुक्तमिमावृय, गीलयुक्तमिमावृली
 सिद्धियुक्तमाविद्या, सागयुक्तमिमावृनी॥ वृयवृयया आरुवनैरुवृय गुण, कूलया आरुवनैरुवृय

याधानुयत ४ यथैलकन ॥ सुयासमयागीशय डयसागुक्कयसथवयविजनलूथन सासु
 नवाधशय वनसयाधाशय धृदातावजायालकण ॥ ७ ॥ डरुम ४ यलियातिन पूषासुदनया
 जयत ॥ लूषमथयेदानन समिहुल्यायवाकुमे ४ ॥ सखूषयाजयनमसुवनन नूनथाजय
 रुदनै लोतियाजयय अर्थवियाव डल्यकूयाजयय कूयकावनतवख ॥ ८ ॥ आसुद्धिदयव
 विद्या विद्याद्धिदयवसाव ग्रहकर्म वृवाज्ञानि यवरावचलकयत ॥ धवदावनमवया
 तावियमतव मेवयादोषनदतसा गार्थधावसालिसवषाठ कायलदयकर्थ गाययाकमा
 ल ॥ ९ ॥ मनसाचिह्नयतकार्य ववसान ४ यकायत मरुलकनगुडासा कार्यालिद्धिवजायत
 ॥ घनषूषनकाय मेसानहुचिह्नयतव मसिधेताववचननयकासयायमतव ॥ १० ॥ डय

न

कावगुरुतन गुरुनागुरुमूषवत ॥ यादलग्न ४ कलसुन कणुकनेवकणुकी ॥ डचितयात ४ दा
 र्थ गुरुनयाडाडधनदुकास्यता धमाल गार्थतादाधावसा कणुतकलकिणुनयस्यपि
 कायार्थरूजानियूषनसहन ॥ ११ ॥ वददमिरुमुथान यावतुकायवियजयत ॥ तथेवमा
 मागतकाल विद्यायतमिवासाति ॥ धववियतिववसगुरुश्वसनी वस्यिह्यमाल धव
 सयतिश्वदाव वस्यिह्ययागुरु गार्थलादासधलर्थातलता ॥ १२ ॥ तालरुस्यिह्यसहन ॥ १३ ॥
 रुडिहकठकसुह मधूवकिनराखसा मधूवदसकल्यान लाकार्यमधूवयिय ४ ॥ रु
 डिहसम यालूवचनसहादानययश्व वाकवचनहादानमहावाही वाकवचनहा
 दाव लाकज्यामानन सुरुशयव ॥ १४ ॥ डिहाप्रवसनल ४ डिहाप्रमिहवा

वा॥ जिह्वाग्रवन्धनप्रापि जिह्वाग्रमवर्तय ॥ लक्ष्मीवसनययुजिह्वस मित्वा च ववः
 सवययुजिह्वस मयनरुयुर्वीजिह्वस ॥ १२ ॥ यियवाक्यपदानेन सवकुष्ठेनिकुजकव॥
 तस्मात्तदवक्रातवी किंवाक्यपिदविदता ॥ यियवाकुक्तावदाव समससाणीवसदुसह
 र्थे धृतनवाक्यदविदहयमतव ॥ १३ ॥ अनिदागवदयेव समुधानिधनायदा॥ कर्णदवा
 यदाविच षष्ठयत आथतायिन ॥ मवावश्वर्यथखतदसस समनअयद्यातयाययादजा
 वर्यथखत मिसरुसैमलुवसषुवश्वर्यथखत यवमूषूययादजावथखत धुवतविदवनद व
 र्यषूषाय ॥ १४ ॥ आततायिनमायान् मयिधदानयावर्ग जिघान्सनीजिघान्सीयान् न
 तनवदोक्रदारुवन् ॥ धृतयूतार्थश्वदाव वाक्तागश्वसर्न वमरुहयानमकद ॥ १५ ॥

गार्हपत्यलयतनिर्ह्य निर्यधर्मयवायण ॥ निर्जित॥ यवसेन्यानि यतिधर्मनयालयत ॥ वा
 जासीवाश्रयायश्वर्य धर्मसत्यन थाथनकुयवसनाजयवययियिव ॥ १६ ॥ यूर्यधूर्यवि
 विनियान् मूलकुदानकावयत ॥ मालाकावर्वीगानि यथाजानातिमावर्ग ॥ बीजास
 र्जकवश्वसा मालिनियाथ अकल चानदाकाकुहायतव दानर्थलाचखादमाचक
 मतव ॥ १७ ॥ अनिमित्तमुदासिन मधुसूक्तविवागुव ॥ यानवद्वानिमन्दात्मा सवसव
 नस्यति ॥ गुरुवागुरुयनन मधुसूक्तमधुसूयनन वावर्क्यसूक्तय सुरु मीमिनो
 मसजदाव धुर्क्यासर्वकार्जनामशय ॥ १८ ॥ अनार्यवयययुवा अनार्थकलरुयिय॥
 आहुत्यसर्वरथिव नव॥ गार्हपत्यनसति ॥ धनयूमनूयान आयमसा र्यवययादाथखत

नाजामदादगगल्लाययवथखन लायसमनिठनवकीथखन धुप्रीमनयलिष्ठनमायव ॥
॥१॥ क४काल४कानिमित्तानि क्कदग४कावयागम४कस्यारुकावमनानेनकि विनिवि
नामूरुमूरु४कालइव सुमिणइव सुदगइव (गावय कुआगमवाय कुअइवइस उ
सकिइव कुवारवाव धुतविनाथवसूयनसू ॥२०॥ सिद्धिदकीवकादकी लिष्ठाकेवावि
ककैठात् वायसायैवैवलिष्ठाके वठगुणसुलिगईरात् ॥ सिद्धयाकनद्धतागुनसमन
वादावयाकनद्धतागुनसमन खायाकनयतागुनसमन काखेयाकनडातागुनसमन खिवा
याकनयतागुनसमन धूयाकनमृतागुनसमन ॥२१॥ यहतुकार्यमल्लन्यायानय४ककुनि
कृति४सर्वान्मभूतकार्य सिद्धादकीविधियत ॥ इकार्यम्राजकृयातसमिद्धिनीतमयासी

निकर्षेन न प्रवृत्तय न न स न सिद्धया क स न गुन ॥ २२ ॥ वृद्धि यानि दुर्मय य व व क व न
य लुता ये न य ॥ कार्य कला य नानि सर्व का यानि साध वै य न ॥ वाहा व र्थि घ म नू ष्य न थ
व का र्य या य म ह ता ल य ॥ वृद्धि नि ग्र ह या ये दा व र ह य थ व र्क र्य या य ह त दा व कृ का
र्य या य ॥ २३ ॥ य रु धा कृ नै म्य च य व ॥ स न्वि रा ग र्क व न्धू ॥ मि याना क मृ द्धि
त नि ष्य च त्र वि दू क ता त ॥ स र्थ ग व ल दै न ग रु वा या व न थ कृ त व र्ध वा रु ल्य र्व न स
रा ष मा चा ता वा ना य रु क न य व ध र व न धु य ता खा या क स न गु न ॥ २४ ॥ गुरु मे ध न वृ ष
व काल चाली य स ग र्द ॥ अ य मा दी मू र्ध न ॥ य ॥ नि ष्य च वा य सा त ॥ मे ध न या य स
ग रु र ह य व न स थ व ग्या नि र्व ध वा य न थ य मा दि म ह य सा धू र ह य ध दा ता का र व या क स

नगुन ॥ २३ ॥ वक्राणि चाल्यसीदृष्ट ॥ ४ ॥ सुनिदा ॥ ४ ॥ गीप्रवतसैन ॥ ४ ॥ वामिरुक्क घवल ॥ ४ ॥ खद
 तानानतागुण ॥ ॥ दतदाव अदिकन मदनदाव सीदृष्ट इय गीप्रनदन गीप्रनदद
 नवाय स्वामिरुक्क इय नल इय धुषुताखि वायाक सनगुन ॥ २३ ॥ अविमार्कवद
 हारं गीतायूचन विन्दति । सुसीदृष्ट रवतु निर्यि जिलिगिषव गदरान ॥ धमयादाका
 र्यमसिद्धताल्य आसवयमतेव सिधक धीयमतेव दकानसीदृष्ट इय धुसातागाधुया
 कसनगुन ॥ २४ ॥ विगयतागुण ॥ ४ ॥ याका यमुकूया द्विवद्वण ॥ ४ ॥ सउव्यतिविद्यूनस
 वानि नऊयधरविद्यति ॥ धनियतागुन सुनान धववयव डाक विवद्वन समस
 गरुदाक कदवयिव धुक्क जयवय सुनान मद्रव ॥ २४ ॥ अमूखायामनूखानामि

नाना ॥ २३ ॥ वक्राणि चाल्यसीदृष्ट ॥ ४ ॥ सुनिदा ॥ ४ ॥ गीप्रवतसैन ॥ ४ ॥ वामिरुक्क घवल ॥ ४ ॥ खद
 तानानतागुण ॥ ॥ दतदाव अदिकन मदनदाव सीदृष्ट इय गीप्रनदन गीप्रनदद
 नवाय स्वामिरुक्क इय नल इय धुषुताखि वायाक सनगुन ॥ २३ ॥ अविमार्कवद
 हारं गीतायूचन विन्दति । सुसीदृष्ट रवतु निर्यि जिलिगिषव गदरान ॥ धमयादाका
 र्यमसिद्धताल्य आसवयमतेव सिधक धीयमतेव दकानसीदृष्ट इय धुसातागाधुया
 कसनगुन ॥ २४ ॥ विगयतागुण ॥ ४ ॥ याका यमुकूया द्विवद्वण ॥ ४ ॥ सउव्यतिविद्यूनस
 वानि नऊयधरविद्यति ॥ धनियतागुन सुनान धववयव डाक विवद्वन समस
 गरुदाक कदवयिव धुक्क जयवय सुनान मद्रव ॥ २४ ॥ अमूखायामनूखानामि

२४

ह्य ॥ ४ ॥ सतक वतसा यवस्यवायकावण यूसारिवतिविग्रह ॥ सुखमश्वग्यानि
 वाकन निवर्धवचनदाक यतसीमावकिव यवस्यचन अयकावयाक नहुनि
 साधुजनयाविग्रहदयव ॥ २५ ॥ वक्रदवयुधधुवा यवनिमकारुवा असा
 दितविनग्यानि रूवुणुयिवयकिना ॥ ४ ॥ मादवादिक् यतंरुगुदियादवाग्रुव
 लुयिवसंगव धाया धववचिइसीताक धध धववचिइसीतायिव ॥ ३० ॥ वस
 नसतिकवित यनोयिसंदति नकनोयिसंदति । पकवानव गोयुक् ॥ ४ ॥ यनोदागव
 धिर्यथा ॥ आयतियादवानकास्य सुयाक रजवय आयतितववयमानयू
 वसपीचामस्य खीवसयसूयानियोत जादाव माकलवाचयादाव आयतित

श्वरं यत्तु न ह्यसमस्तं थववसासकं न गुरुवदू ४ खयालकन धनं ॥ ४१ ॥ सुखस्य न कर्तुं
दू ४ ख दू ४ ख स्या न कर्तुं सुखी सुखदुखमनुष्याणां चक्रवर्त्यविवर्तते ॥ वनेषु मनुष्या
या सुखया अनन्तं स दुख दुखया अनन्तं समुख सुखदुखश्च कृष्णाय वा कदम्ब
रुलय ॥ ३० ॥ वदन्ति मुखं सद्यो न नाना ४ यगुवृत्ति ४ कृदन्ति गुणान् सर्वान् मद्ये वि
दिवा केव ४ सुखं लोकमूढयाल गुनग्यानकयल इव गार्थमूर्यठो सूनठो कयव
थं निम्नजयार्थमूर्य ॥ ३१ ॥ असुतासुहसं गने कानया लयमागति यथा यिसादि नि
दसु मद्यमित्यविधियत ॥ असुजनयूयसगइवदाव उरुमयूयसुधमयूय
इव गार्थमूर्यदिनियारुसम दूदइवसनाथइवमूर्य ॥ ३२ ॥ असुतसुयकदो

पहार ॥
नाय ॥

धनं अथमायनि साधव ४ मार्गधृतिमिव सार्क समाधिविसमायत ॥ असाधूवा
नायथातदादाधनन साधूयनि असौधूव लसखिदूनताकयवथं माधवदुर्लभ
माधमवलंकायाथकायव ॥ ३३ ॥ उरुम ४ सहसं गने कानयानिसमूनिर्त मु
दोहनानिधायाक प्रकिर्त ४ कूसम ४ सरु ॥ रिदवांनायालातदाव सुक्रीड
लमतवइव सानवाकवानायावानदाव सयुतमालसधनवयितव ॥ ३४ ॥ किं
कनियसिमयक ४ स्वतावादुवतिकम ४ यस्यासुहलमधुसु कखाथानामुताग
त ४ नायथादावइवकाय स्वतावगुलिरुलमदुव धताथंसाहन जीववानायवा
द जीवयूदवनवानदावन जीवयूदक जीवयूवौकययदुसोदइयमदुव स्वता

नाना ४ मगत वातवा संकलन
वाथा सह कुंभयात उपहार ।

वरुलमिहव ॥ ३३ ॥ लकचवसुर्वधनम ॥ निवयतिष्ठित ॥ मधुखिवसमावृष्टि निर्व
 किमधुवायत ॥ साखवन खतवाविचिठान दधमनिवययावेतय धयासविक
 सिनविरे इदनवधचयतयान बिनिवचाक सवादइयमरुव ॥ ३४ ॥ यम
 कषुचयाविद्या यरुसुयुयदन ॥ कार्यकालवसंयाक नमोविद्यानरुदन ॥ य
 ॥ सवासीतयाविद्या भवयादससवागुधन कार्यसुथागवलस धविद्याविद्या
 मरुव धवनधनमरुव ॥ ३५ ॥ दूवसुनिवमिगानि निमरुनिववधिवा ॥ किंयथाउ
 नकरुवा मथितानिरुसुलानिव ॥ दूवसवाठमिग सनरुमदुवाधिव कयथाउन
 याय वलकालसकनमदुनिरुल ॥ ३६ ॥ अठवाडमयूषानि दूवसुनीवावाध

वा ॥ कानकवालषुठानितषु यकालनायतिष्ठति ॥ वनसवाठसमान दूवसवाठ
 वधुउन वचसमदुवासीतया ॥ ३७ ॥ यरुवचनदिनस्य कर्मरुनस्यथानव ॥
 निवधाधतनातस्य रुसमन्यायादुतयायथा ॥ यरुमदुवचन घामसवयाका निवध
 कइरु गार्थलमिधवलूया ॥ ३८ ॥ दूगयदुसविप्राई दम्यथीकलरुसुथा ॥ व
 वावानिरुलंयानि यरातमदुवर्ल ॥ दूगइदुसविलाकयासवाइ सीयदुव
 कवाल सुर्थसुजासीवव धयतानिरुलइरु ॥ ३९ ॥ निरुलाहयनिसुवा निरु
 लावतिवठिल ॥ दोषसुयुक् नीलस्य प्रतिवियस्यनिरुला ॥ हयनियाकस
 वायाय वागीयकवति दूषयाक नील वाक्कनयनठठायदार्थ धननिरुल

१५
 १०
 ५
 ०

३२॥ वलयतु कलयांयां विनयामयिकन्यकां। दृष्टिनीननीचतु वेवा।
 कसिंह। १॥ कल ॥ कानि कनिसूकलसजायवयुकन्या। विनयिश्चसर्गां विवाहायायु
 दृष्टिश्चसर्गां निचमतेव धमवाड। थं दाद विवाहायायजग्य ॥ ३३॥ विषादयोऽप्रा
 क् ममध्यादयिकाश्चनी। नीचादयारुमां विद्यां सुचरुदूकनादयि ॥ विषमवानसर्गां
 अमृतश्चदासीकायज। ग। अयविनेथायसवादसर्गां लूकायजग्य नीचयाकथा
 नसर्गां उरुमविद्याश्चदासीसिनमाल अकलिश्चसर्गां सुचरुश्चदासीकायमा
 ल ॥ ३४॥ कस्यदायकलनासि वाधिकायनेयिदीत ॥ कनेतव्यसर्नयार्क प्रिय ४
 कस्यनिनर् ॥ सूयाकलसदायनमद्र वाधिनसूमपिदवय सूनानद्वयमसव सय

तिश्चसर्गां अकवअकवसममालमद्र ॥ ३५॥ दायायतिगुणायति निगुलवृष्टि
 जायत। सूकमालस्ययद्रस्य नालारवतिकर्कण ॥ दायनश्चसर्गां मिद्रक्रीमद्र गुण
 वसर्गां मिद्रक्रीमद्र गार्थताधावसो कामलयवयानालककर्थ ॥ ३६॥ अमृतगिनिचव
 दि ४ अमृतकीचराऊनी अमर्तगुनमतिशायो अमर्तवालराखित ॥ गिसवकाव
 स मअमृत दूदगानअमृत गुनवतिस्मिश्चदावअमृत वालकनेकायावचन
 अमृत ॥ ३७॥ दूलरायवृतीवाना दूलरासुदमियरु ४ दूलरावचनयिय ४ दूलर
 ३२॥ यावृतावचन दमावनस्वानिदूलर दूतिश्चदाव सुदूलर लाकाउकायव
 वनदूलर ॥ ३८॥ नदीनीयाद्रवीप्रष्ट नालीनीचयतिवता ४ मनुष्याद्र दसानीज

× दूलरावसूदतावी ३

नानिवाद्याद् दसानयनिवृत्तिः॥ नदीकसर्गगा॥ प्रष्टु मिसादकसयगिरिग्व
मनूव्यादकसबाजालिग्व दग दकसवभयसधानाडाभयगिरिग्व ॥७९॥ पूरयणम
माकिर्णु दर्गादान४ समाकूल तायाविवदितो यूसां यथावर्धतथागृह ॥ का
यच्छयमांमिनसंशकयादवानसनां श्रीमवतडाव नार्थगुश्वरिग्व थश्वरिग्व ॥८०॥
सर्वेषामिववत्ताना मुथावन्नमनूकम तस्मात्तदर्थनिश्चया ताप्रयकाधनमार्क ॥ स
मस्तन्नदवांसस्मिन्नउक्तम धृत याकेनान धूमदतडाव तिजाननालतवडाव
नक्षय ॥८१॥ कुम्भरुनि कुम्भानि कूपरा कुम्भन्यत कुम्भनिर्दन्त्येतेवाडा वा
द्वयीवनदन्ते ॥ कुम्भद्वयनेमिमान कुम्भमधिकयिव कूपरकायन कुलना

三

यकलं कमलिनया उभा च कर्णं खनयति भा च कर्णं ॥ १२ ॥ स्त्रीदारवसदसा जी
 गुनार्कं नाम कियतं गृहवान् ४ सुतीत्यति ४ मवनायति मासद ॥ मिमायारदारव
 नदालङ्घिता गुणदता ह्विता ऊर्ध्वं वसनिदानयादा कायवीर्यका यूवखडार्म
 सगयादा ध्वसांता मिमा गुनदता ॥ १३ ॥ कवयकिन्तियस्यकि किनरुहनि वायसा
 ४ यमादा किं न कथयति किं न उल्लस्य किमयया ४ यषुतयनिस्त्रीकुमखीद खानह
 मनव मिमानह कर्मासयाक धीनकावनह मधव ॥ १४ ॥ यूयथा ऊर्ध्वं नाया
 यूयथा यूयथा ऊर्ध्वं ४ कित ४ यूयथा ऊर्ध्वं मिर्णं सवताया यूयथा ऊर्ध्वं ॥ कायदयकयाता
 तीनी धवर्तयिन्दधयकयातीकाय धवर्तकार्ययाययाती रुतिमिगमाला धवध

वरुदितयायथाजनशक्यायसमर्प ॥१३॥ समूहवनादुः ॥ कावावचनापु
 लाशानवन्नावचनादगा ॥ वनिषावचना ॥ ४॥ समूहवनादुः ॥ कावावचनापु
 लावर्षु वाजादिशानकाव मिसाशकथवचविगनकाव ॥१४॥ नृयकानिनवासानि
 नयाकावनवकक ॥ नवी ॥ धानेवर्षावा सुगीलाचकूलस्य ॥ ४॥ दूयायामयति
 याकावनवकायाकावशव वधनवधमयासनी कूलस्य ॥ ४॥ इत्यथवगीलशनी
 ॥१५॥ नदीयायतकूल नावीयातयतकूल ॥ नावीना ॥ नदीना ॥ ४॥ दलली
 तांगति ॥ नदिनतिलकतकव मिसान ॥ धवकूलकतनकव मिसाया ॥ इत्यमनी
 नदीयाइवसनी ॥ ४॥ नवनवनयूशनी ॥१६॥ जीमनयनस्यन रायकन

तथोवन ॥ ४॥ वन ॥ ४॥ सत्यागत ॥ ४॥ ल ॥ ४॥ सचिगुरुमात ॥ ४॥ डिर्बुवनकीअन
 नयति ॥ ४॥ इवसनी ॥ ४॥ वनवतकावति ॥ ४॥ दल ॥ ४॥ इवसनी ॥ ४॥ स्याडितवयव
 वीकीरु ॥ ४॥ स्याइवसा ॥ ४॥ धनकावति ॥ ४॥ ॥ ४॥ ल ॥ ४॥ ल ॥ ४॥ नदीनेव कूलदिन
 सनसूति ॥ ४॥ अयावमननावी ॥ ४॥ निवोवर्षावा ॥ ४॥ सव ॥ ४॥ ल ॥ ४॥ न ॥ ४॥ म ॥ ४॥ द ॥ ४॥ या ॥ ४॥ क ॥ ४॥ वा ॥ ४॥ द
 ल ॥ ४॥ क ॥ ४॥ कूलदिनयाकवा ॥ ४॥ सवसूति ॥ ४॥ अयावमनवयुति ॥ ४॥ ॥ ४॥ ल ॥ ४॥ स ॥ ४॥ य ॥ ४॥ व
 तसवागावका ॥ ४॥ ॥ ४॥ ॥ ४॥ य ॥ ४॥ स ॥ ४॥ रा ॥ ४॥ या ॥ ४॥ वि ॥ ४॥ द ॥ ४॥ या ॥ ४॥ की ॥ ४॥ क ॥ ४॥ स ॥ ४॥ वी ॥ ४॥ क ॥ ४॥ ल ॥ ४॥ रु ॥ ४॥ धि ॥ ४॥ य ॥ ४॥ ड ॥ ४॥ त
 बाहुतवयादिव ॥ ४॥ सा ॥ ४॥ ज ॥ ४॥ न ॥ ४॥ ज ॥ ४॥ वा ॥ ४॥ ज ॥ ४॥ वा ॥ ४॥ ॥ ४॥ न ॥ ४॥ म ॥ ४॥ या ॥ ४॥ ति ॥ ४॥ वि ॥ ४॥ वि ॥ ४॥ द ॥ ४॥ या ॥ ४॥ की ॥ ४॥ वि ॥ ४॥ र ॥ ४॥ वा ॥ ४॥ धु ॥ ४॥ ल
 सालमलाक ॥ ४॥ क ॥ ४॥ व ॥ ४॥ ड ॥ ४॥ या ॥ ४॥ उ ॥ ४॥ रु ॥ ४॥ वा ॥ ४॥ उ ॥ ४॥ रु ॥ ४॥ व ॥ ४॥ न ॥ ४॥ वा ॥ ४॥ य ॥ ४॥ य ॥ ४॥ व ॥ ४॥ थ ॥ ४॥ धि ॥ ४॥ ग ॥ ४॥ ति ॥ ४॥ वि ॥ ४॥ ज ॥ ४॥ वा ॥ ४॥ क ॥ ४॥ या

15
 10
 5
 0
 5
 10
 15
 20
 25
 30
 35
 40
 45
 50
 55
 60
 65
 70
 75
 80
 85
 90
 95
 100
 105
 110
 115
 120
 125
 130
 135
 140
 145
 150
 155
 160
 165
 170
 175
 180
 185
 190
 195
 200
 205
 210
 215
 220
 225
 230
 235
 240
 245
 250
 255
 260
 265
 270
 275
 280
 285
 290
 295
 300
 305
 310
 315
 320
 325
 330
 335
 340
 345
 350
 355
 360
 365
 370
 375
 380
 385
 390
 395
 400
 405
 410
 415
 420
 425
 430
 435
 440
 445
 450
 455
 460
 465
 470
 475
 480
 485
 490
 495
 500
 505
 510
 515
 520
 525
 530
 535
 540
 545
 550
 555
 560
 565
 570
 575
 580
 585
 590
 595
 600
 605
 610
 615
 620
 625
 630
 635
 640
 645
 650
 655
 660
 665
 670
 675
 680
 685
 690
 695
 700
 705
 710
 715
 720
 725
 730
 735
 740
 745
 750
 755
 760
 765
 770
 775
 780
 785
 790
 795
 800
 805
 810
 815
 820
 825
 830
 835
 840
 845
 850
 855
 860
 865
 870
 875
 880
 885
 890
 895
 900
 905
 910
 915
 920
 925
 930
 935
 940
 945
 950
 955
 960
 965
 970
 975
 980
 985
 990
 995
 1000
 1005
 1010
 1015
 1020
 1025
 1030
 1035
 1040
 1045
 1050
 1055
 1060
 1065
 1070
 1075
 1080
 1085
 1090
 1095
 1100
 1105
 1110
 1115
 1120
 1125
 1130
 1135
 1140
 1145
 1150
 1155
 1160
 1165
 1170
 1175
 1180
 1185
 1190
 1195
 1200
 1205
 1210
 1215
 1220
 1225
 1230
 1235
 1240
 1245
 1250
 1255
 1260
 1265
 1270
 1275
 1280
 1285
 1290
 1295
 1300
 1305
 1310
 1315
 1320
 1325
 1330
 1335
 1340
 1345
 1350
 1355
 1360
 1365
 1370
 1375
 1380
 1385
 1390
 1395
 1400
 1405
 1410
 1415
 1420
 1425
 1430
 1435
 1440
 1445
 1450
 1455
 1460
 1465
 1470
 1475
 1480
 1485
 1490
 1495
 1500
 1505
 1510
 1515
 1520
 1525
 1530
 1535
 1540
 1545
 1550
 1555
 1560
 1565
 1570
 1575
 1580
 1585
 1590
 1595
 1600
 1605
 1610
 1615
 1620
 1625
 1630
 1635
 1640
 1645
 1650
 1655
 1660
 1665
 1670
 1675
 1680
 1685
 1690
 1695
 1700
 1705
 1710
 1715
 1720
 1725
 1730
 1735
 1740
 1745
 1750
 1755
 1760
 1765
 1770
 1775
 1780
 1785
 1790
 1795
 1800
 1805
 1810
 1815
 1820
 1825
 1830
 1835
 1840
 1845
 1850
 1855
 1860
 1865
 1870
 1875
 1880
 1885
 1890
 1895
 1900
 1905
 1910
 1915
 1920
 1925
 1930
 1935
 1940
 1945
 1950
 1955
 1960
 1965
 1970
 1975
 1980
 1985
 1990
 1995
 2000
 2005
 2010
 2015
 2020
 2025
 2030
 2035
 2040
 2045
 2050
 2055
 2060
 2065
 2070
 2075
 2080
 2085
 2090
 2095
 2100
 2105
 2110
 2115
 2120
 2125
 2130
 2135
 2140
 2145
 2150
 2155
 2160
 2165
 2170
 2175
 2180
 2185
 2190
 2195
 2200
 2205
 2210
 2215
 2220
 2225
 2230
 2235
 2240
 2245
 2250
 2255
 2260
 2265
 2270
 2275
 2280
 2285
 2290
 2295
 2300
 2305
 2310
 2315
 2320
 2325
 2330
 2335
 2340
 2345
 2350
 2355
 2360
 2365
 2370
 2375
 2380
 2385
 2390
 2395
 2400
 2405
 2410
 2415
 2420
 2425
 2430
 2435
 2440
 2445
 2450
 2455
 2460
 2465
 2470
 2475
 2480
 2485
 2490
 2495
 2500
 2505
 2510
 2515
 2520
 2525
 2530
 2535
 2540
 2545
 2550
 2555
 2560
 2565
 2570
 2575
 2580
 2585
 2590
 2595
 2600
 2605
 2610
 2615
 2620
 2625
 2630
 2635
 2640
 2645
 2650
 2655
 2660
 2665
 2670
 2675
 2680
 2685
 2690
 2695
 2700
 2705
 2710
 2715
 2720
 2725
 2730
 2735
 2740
 2745
 2750
 2755
 2760
 2765
 2770
 2775
 2780
 2785
 2790
 2795
 2800
 2805
 2810
 2815
 2820
 2825
 2830
 2835
 2840
 2845
 2850
 2855
 2860
 2865
 2870
 2875
 2880
 2885
 2890
 2895
 2900
 2905
 2910
 2915
 2920
 2925
 2930
 2935
 2940
 2945
 2950
 2955
 2960
 2965
 2970
 2975
 2980
 2985
 2990
 2995
 3000
 3005
 3010
 3015
 3020
 3025
 3030
 3035
 3040
 3045
 3050
 3055
 3060
 3065
 3070
 3075
 3080
 3085
 3090
 3095
 3100
 3105
 3110
 3115
 3120
 3125
 3130
 3135
 3140
 3145
 3150
 3155
 3160
 3165
 3170
 3175
 3180
 3185
 3190
 3195
 3200
 3205
 3210
 3215
 3220
 3225
 3230
 3235
 3240
 3245
 3250
 3255
 3260
 3265
 3270
 3275
 3280
 3285
 3290
 3295
 3300
 3305
 3310
 3315
 3320
 3325
 3330
 3335
 3340
 3345
 3350
 3355
 3360
 3365
 3370
 3375
 3380
 3385
 3390
 3395
 3400
 3405
 3410
 3415
 3420
 3425
 3430
 3435
 3440
 3445
 3450
 3455
 3460
 3465
 3470
 3475
 3480
 3485
 3490
 3495
 3500
 3505
 3510
 3515
 3520
 3525
 3530
 3535
 3540
 3545
 3550
 3555
 3560
 3565
 3570
 3575
 3580
 3585
 3590
 3595
 3600
 3605
 3610
 3615
 3620
 3625
 3630
 3635
 3640
 3645
 3650
 3655
 3660
 3665
 3670
 3675
 3680
 3685
 3690
 3695
 3700
 3705
 3710
 3715
 3720
 3725
 3730
 3735
 3740
 3745
 3750
 3755
 3760
 3765
 3770
 3775
 3780
 3785
 3790
 3795
 3800
 3805
 3810
 3815
 3820
 3825
 3830
 3835
 3840
 3845
 3850
 3855
 3860
 3865
 3870
 3875
 3880
 3885
 3890
 3895
 3900
 3905
 3910
 3915
 3920
 3925
 3930
 3935
 3940
 3945
 3950
 3955
 3960
 3965
 3970
 3975
 3980
 3985
 3990
 3995
 4000
 4005
 4010
 4015
 4020
 4025
 4030
 4035
 4040
 4045
 4050
 4055
 4060
 4065
 4070
 4075
 4080
 4085
 4090
 4095
 4100
 4105
 4110
 4115
 4120
 4125
 4130
 4135
 4140
 4145
 4150
 4155
 4160
 4165
 4170
 4175
 4180
 4185
 4190
 4195
 4200
 4205
 4210
 4215
 4220
 4225
 4230
 4235
 4240
 4245
 4250
 4255
 4260
 4265
 4270
 4275
 4280
 4285
 4290
 4295
 4300
 4305
 4310
 4315
 4320
 4325
 4330
 4335
 4340
 4345
 4350
 4355
 4360
 4365
 4370
 4375
 4380
 4385
 4390
 4395
 4400
 4405
 4410
 4415
 4420
 4425
 4430
 4435
 4440
 4445
 4450
 4455
 4460
 4465
 4470
 4475
 4480
 4485
 4490
 4495
 4500
 4505
 4510
 4515
 4520
 4525
 4530
 4535
 4540
 4545
 4550
 4555
 4560
 4565
 4570
 4575
 4580
 4585
 4590
 4595
 4600
 4605
 4610
 4615
 4620
 4625
 4630
 4635
 4640
 4645
 4650
 4655
 4660
 4665
 4670
 4675
 4680
 4685
 4690
 4695
 4700
 4705
 4710
 4715
 4720
 4725
 4730
 4735
 4740
 4745
 4750
 4755
 4760
 4765
 4770
 4775
 4780
 4785
 4790
 4795
 4800
 4805
 4810
 4815
 4820
 4825
 4830
 4835
 4840
 4845
 4850
 4855
 4860
 4865
 4870
 4875
 4880
 4885
 4890
 4895
 4900
 4905
 4910
 4915
 4920
 4925
 4930
 4935
 4940
 4945
 4950
 4955
 4960
 4965
 4970
 4975
 4980
 4985
 4990
 4995
 5000
 5005
 5010
 5015
 5020
 5025
 5030
 5035
 5040
 5045
 5050
 5055
 5060
 5065
 5070
 5075
 5080
 5085
 5090
 5095
 5100
 5105
 5110
 5115
 5120
 5125
 5130
 5135
 5140
 5145
 5150
 5155
 5160
 5165
 5170
 5175
 5180
 5185
 5190
 5195
 5200
 5205
 5210
 5215
 5220
 5225
 5230
 5235
 5240
 5245
 5250
 5255
 5260
 5265
 5270
 5275
 5280
 5285
 5290
 5295
 5300
 5305
 5310
 5315
 5320
 5325
 5330
 5335
 5340
 5345
 5350
 5355
 5360
 5365
 5370
 5375
 5380
 5385
 5390
 5395
 5400
 5405
 5410
 5415
 5420
 5425
 5430
 5435
 5440
 5445
 5450
 5455
 5460
 5465
 5470
 5475
 5480
 5485
 5490
 5495
 5500
 5505
 5510
 5515
 5520
 5525
 5530
 5535
 5540
 5545
 5550
 5555
 5560
 5565
 5570
 5575
 5580
 5585
 5590
 5595
 5600
 5605
 5610
 5615
 5620
 5625
 5630
 5635
 5640
 5645
 5650
 5655
 5660
 5665
 5670
 5675
 5680
 5685
 5690
 5695
 5700
 5705
 5710
 5715
 5720
 5725
 5730
 5735
 5740
 5745
 5750
 5755
 5760
 5765
 5770
 5775
 5780
 5785
 5790
 5795
 5800
 5805
 5810
 5815
 5820
 5825
 5830
 5835
 5840
 5845
 5850
 5855
 5860
 5865
 5870
 5875
 5880
 5885
 5890
 5895
 5900
 5905
 5910
 5915
 5920
 5925
 5930
 5935
 5940
 5945
 5950
 5955
 5960
 5965
 5970
 5975
 5980
 5985
 5990
 5995
 6000
 6005
 6010
 6015
 6020
 6025
 6030
 6035
 6040
 6045
 6050
 6055
 6060
 6065
 6070
 6075
 6080
 6085
 6090
 6095
 6100
 6105
 6110
 6115
 6120
 6125
 6130
 6135
 6140
 6145
 6150
 6155
 6160
 6165
 6170
 6175
 6180
 6185
 6190
 6195
 6200
 6205
 6210
 6215
 6220
 6225
 6230
 6235
 6240
 6245
 6250
 6255
 6260
 6265
 6270
 6275
 6280
 6285
 6290
 6295
 6300
 6305
 6310
 6315
 6320
 6325
 6330
 6335
 6340
 6345
 6350
 6355
 6360
 6365
 6370
 6375
 6380
 6385
 6390
 6395
 6400
 6405
 6410
 6415
 6420
 6425
 6430
 6435
 6440
 6445
 6450
 6455
 6460
 6465
 6470
 6475
 6480
 6485
 6490
 6495
 6500
 6505
 6510
 6515
 6520
 6525
 6530
 6535
 6540
 6545
 6550
 6555
 6560
 6565
 6570
 6575
 6580
 6585
 6590
 6595
 6600
 6605
 6610
 6615
 6620
 6625
 6630
 6635
 6640
 6645
 6650
 6655
 6660
 6665
 6670
 6675
 6680
 6685
 6690
 6695
 6700
 6705
 6710
 6715
 6720
 6725
 6730
 6735
 6740
 6745
 6750
 6755
 6760
 6765
 6770
 6775
 6780
 6785
 6790
 6795
 6800
 6805
 6810
 6815
 6820
 6825
 6830
 6835
 6840
 6845
 6850
 6855
 6860
 6865
 6870
 6875
 6880
 6885
 6890
 6895
 6900
 6905
 6910
 6915
 6920
 6925
 6930
 6935
 6940
 6945
 6950
 6955
 6960
 6965
 6970

मधुयज्ञयाव नीलधसाड्डवयधाय ॥ ८ ॥ एकनपुष्पवृक्षेन दहमानेन
वर्दिना दहनेतद्वलसर्वं कूपरुनेकलसुधा ॥ दुर्मर्गदसिनमनेन व समस
वनदाहदहवयवं कूपरुनेकवर्माचकवर्ध इति ॥ १० ॥ एकनायिसूवृक्षेन य
थिकेनसूगधिना वासितं तवर्नसर्वं सूयुनकवयथा ॥ दुर्मासिमान
वाहावन गुंतयिनासावकं सूयुनकलंतयिनिनकार्थ ॥ ११ ॥ यस्यधुण
वसाहया तायाकुन्दागामिनि विषमवर्धयिसुख ४ खर्गनस्यमदितले
वनक्रीयाकाययानि संवकयानि त्रिपिथववसासर्वं व वननगाहक्रीया वि
थिमिसिर्गययाय ॥ १२ ॥ अपूरासु पिउर्वस्य ४ सयिनायमुयावक ४ तनिर्ग

यलविष्वास ४ साराययण निवृत्ति ४ वनवनववयावसाइवं धयुणवनयावव
नयासवयातवं धववं यथायसविष्वासइवं धवमिरु वतिनियुवखयावसाइवं
॥ १३ ॥ यस्यजिवान्तिजिवान्ति विद्युमेरुधवान्धवा ४ सहलंजीवितस्यानि आ
त्माथं कोनजीवति ४ वक्त्रं बालं वादयाना वाक्कलान्तिवुवान्धव धक्त्रं या
वाहासहल धवाक धाय ॥ १४ ॥ सजीवतिगुणजस्य यस्यधर्मसजीवति गुणध
मविदिनस्य निरुलंतस्यजिवनं ॥ वक्त्रं गुणधर्मनस्यकयादवाक धक्त्रं वाक
धाय गुणधर्ममदोर्ध्व वाहानिरुल ॥ १५ ॥ वाचासवसूतियस्य तायावयवतिसर्ग
लक्ष्मीयागवतीयस्य सहलंतस्यजिवनं ॥ वक्त्रं याववनम सवसूतियानं सुख

यवतिश्वं लक्ष्म्यागवताऽनं धर्म्यावादासरुलधाय ॥१३॥ धर्मार्थकाम
माहाणां यस्यैकोधिनविद्यन ॥ अयागवत्तन ४ स्याधि निवर्ततस्यडिविर् ॥
धर्मार्थकाममाह वद्विद्यामदयिवश्वं सजागवयया ध्यामादा निवर्तय
य ॥१४॥ धर्मसत्यविदिनस्य दिन्यानिवविदिया ॥ सलाहकालवम्
नस्यैववयजोयते ॥ धर्मसत्यमदूयादीनवान् अक्रियानश्य लो
हाकोलयावद्वध् धर्मार्थधर्मजिवनवर्त विनामश्व ॥१५॥ गुणवयिभुन
वाद्या धावावाद्याभुवावधि ॥ युक्तेयुक्तेववाग्राही नवाद्यभुन ॥ गोववात ॥ न
हयाश्चसर्गा मनखकायजोग्य मिययाश्चसर्गा दाखनकायजोग्य यक्तेरव

ह्रायठनयाग्यं गुचस्यातकानं अयुगुतिह्रायठनं मतव ॥१६॥ अकर्तव्यं न कर्तव्य
याणेकण्ठगतवयि ॥ कर्तव्यमवकर्तव्यं याणेकण्ठगतवयि ॥ मयालययमनव
कण्ठायाणनिधेनसर्गा यादलशक्यायमाल कण्ठायाणनिधेनसर्गा निधय
नमयादलयायमतव ॥१७॥ ॥ ०००॥ तिवातकसाजसंग्रहन दिनियगतक
समाय ॥ ॥ कालचनियूनसन्धि कालचमिन्विग्रह ४ कार्याकावणमाहय
कालीकयतिपुति ॥ कालसगुरुवासीधियाय कालसमिन्वा विग्रहयौथइयू
कार्ययारुडान कालरुनर्यादिगन ॥१॥ कालयचतिहुतानि कालसद्वनयुजा ४
कालसूयषूजागति कालादुवतिकम ४ ॥ कालनयानियाकवनिव कालनयजा

विदि

15
याकियायूव कालसिद्धि कालसिद्धिगवययान थथिठकालयालकमडिव ॥२॥
कालाययलालितीविड रूलकालायवकन वलसवकनसुष्टि मनु ४ काल
यिसिद्धिवत कालयाकनानययय कालदानसुष्टियाय कालनीमाचकय
॥३॥ खदिगीकमिलायध वलयाकनवनावत ४ सर्वतकालय तस्मात्काली
मरुतव ॥ अकागदिसायध वि लखवलयमा सुययु मिरुस धत समसकाल
नमचकय धतयाकनानपूतिनितव ॥४॥ किंकविदतिवकाव प्रातयनविद्य
त नम ४ कयनकग्राम वजक ४ किंकविद्यति ॥ कयायकायायावचन वनथा
यसककमदल धीविविथिठ नमकयनकग्रामस वसुसमाल यतसिलिठि यच्छ

10
5
य ॥३॥ कदलिवनमधुक् वद्विमचयवाकुम ४ अविदकउनकान गुनवान
किंकलिषति ॥ कदलिवनमगयाम वलजाठकु यमरुथ विवालमयाडे
नयाथायस गुनवकनकसकले ॥४॥ यलयरिनमडादा तवकि किलसागव ४ साग
वारुदमककि यलयायिनसाधव ४ यलयसिसमनैदनमयादा मधववयवी सा
धुउननइकया सागवरुदयाय मयव यलयकालम ॥५॥ मिनूधलीतकल्यानम
उदिसागलस्यव ४ युतियनामकासवा नवलनिकयाचन ॥ कल्यानसमूम
नूचवनेय समूदन सिमामधवनय मकायखनइक विदिललाल्य मचक
यय गालइवसना ॥६॥ विद्यतसुयूचयला विद्यतवाकनधतय ४ यालूकविद्य

तनिचदयासाधूषवेद्यत ॥ मीयाकचयलादव वाक्कणयाकतयदव निचयाककु
कवचनदव साधूयाकदयादेव ॥ १० ॥ साधूसनमानमणिन रवनिददविद्वियी ॥
यकाचसतनायि दूर्यन ८ कनगुक्त ॥ साधूजनसमानयादान थवसविनमियय
नागशव दूजयाकशकया सननाडयकावयातसन सुनानथवयायमजिव ॥ ११ ॥
वदवाधानिसासुनि नादू ८ नासुवाधयत यत केयिहेतदीथ चवृदिननयसनि
८ ॥ कानिशकसासुनवाधयायजिव अरुनिसासुनवाधयायमजिव गथधवावसा
ययदन मनीयकीतल मिखासनमखेदथ ॥ १२ ॥ नालिकलसमाकाया दृगते
कयिगजन अन्यायिदवनाकावा वदि ववमनाचमा ८ ॥ नालिकाकथसजनश

यु यिवनमरिठ दूवनरिठनदलकाठ दूजनशयवयलथ यिवनरिठ दूवनम
रिठ ॥ १३ ॥ चन्दनीगीतलचल चन्दननदुचलमा ८ वदचन्दनथार्मध साधू ८
सस्यकेगीतल ॥ श्रीखणुगीतल चलमगीतल चलवाश्रीखणुवा निगुणिससाधू
जनवानायालायअतिनगीतल ॥ १४ ॥ अथना ८ धनमिहकि यितिमिहकिमधमा
८ उरुमा ८ मानिमिहकि मनोदिमदताधन ॥ अथनीनधनयाय यिययमधमा
उरुमेजनमानियय साधूसययय ॥ १५ ॥ मदिवायनमिहकि धनमिहकि या
थिवा ८ नीवाकलरुमिहकि सानिमिहकि साधवा ८ ॥ लाजिनियावलयवाय
वाजाधनयय निचदकवाययय साधवइकगानियय ॥ १६ ॥ यितवावाध

निष्कान्ते द्रुयमिच्छुनिदयिका ॥ क्लृप्तय ४ क्लृप्तमिच्छुनि स्वर्गमिच्छुनितायसा ॥ १४ ॥
 तत्र जनदकस्य धनवाङ्मयायू नूयवाङ्मयायू मसमावायनिस्य (गान्वाङ्मयायू
 यूक्ललिकस्य तयनियनिस्य नूयवाङ्मयायू ॥ १५ ॥ अतिकूलो नदवी अतिला
 रुनयसुखं यनयिदावयावृत्ति नवसाधूयविद्यत ॥ अतिदू ४ खनधनलाय अति
 लोरुनसुखलाय भवयाकायिदाविय धर्तसाधूयाकसद ॥ १६ ॥ अमकनालसुय
 रू अकार्यनवकावयत स्वयकार्यनकुयद्वि निरुलनवकावयत ॥ क्लृप्तनिर्दिन
 मरुयागुलिसम्राजसुमयाक अकार्यमयाक चिकुलिकार्ययार्थमयाक निरु
 वगुलिसववर्थमयव ॥ १७ ॥ लेलिलेनमानिक मोकिर्कनगङ्ग ॥ साधवो

नदिसर्वत चन्दनवनवन ॥ यद्वतयति मानिकमदु किसियतिभूतिमदु सा
 धूसकलरुमदु गुयतिपाखगुमदु ॥ १८ ॥ यवकार्यस्वयूक्ता सा स्वकार्यद्विषसाध
 न ॥ सुदकार्यधुनिवृत्ति वाङ्कार्यविवेकम ॥ भवयाकार्यसयुगुतिथयाक
 धवकार्यसुवर्तिनसाधवय मिथयाकार्यसनिधययाक वाङ्कार्यसवलयाय ॥ २० ॥
 उल्लेखवनिधाना यद्वतितत्त्व (गति) अचलमयिसाधूना गिल्लखवतिवृत्ति ॥
 निचनयाका कार्यलखसवादेरु (ध) उल्लेखनसयमदु साधूजननयाकाकार्य व
 वकनयमदु लुहासवादेयार्थधानय ॥ २१ ॥ मरुतामायद ४ सनि, मरुताम
 यिसम्वदम्यद ४ ॥ ०० तत्रवमनूयधू नायदानवसम्यद ४ ॥ तवया आयदातव

सम्यदतव विचामनूयया आयदीमद सम्यदीमद ॥ २२ ॥ लसुसुयनियकैलाव
 सुगणवचनमा ॥ विष्णु ॥ समनगमने मरुतकिवसियुने ॥ मीदवसिसुसयाय
 जूकयातन वदमसिसुसयाय वसगणन विष्णुसिसुसयाय समवदान तवयूव
 वसिसुसयाय राधजवनयाव ॥ २३ ॥ लेखकयाथक पुव वैजवानीनासुचिकिका
 ॥ सवविसनिनामृदा ॥ क्रियावन ययणिम ॥ वाकक्रीयठयुर्क गलसवयनिध
 समसवसनिदाक सूर्यक्रियाकर्मयाव क्रियावनययितन ॥ २४ ॥ वादिविजुपु
 वानिक वाजसवातयावन ॥ धीवाच वा विक्मैवनि कातया ॥ ववेवाकाक ॥ वि
 रुतवनिजान सदीवनिजान वाजसवातयावन धतक निधीनयनि स्रुदुवया

यूव कातनयानिधुमिआयायूव ॥ २५ ॥ वज्रद्वनार्थवानिक विद्याथिचवद्रुम
 । उद्वानमययाधी मानार्थिनयतिवज्रत ॥ धनार्थिनवनजवायाययायू वि
 याथिनजगणसुदनयिव युगाथिनपुकातसुगीगमनयायू मानार्थिवाज
 सदीयू ॥ २६ ॥ मूर्खयदलकाल वावाचननसतली हृदयकलिसरुकी नेदिव
 भुलिलकण ॥ मूधयययतिथीकामलवाकवचन प्रीरवणुथणीकला लुक्कक
 धसताभूरुयालिकन ॥ २७ ॥ दुर्जनिययवादीच नवविद्यागकाययत मधुप्रदनि
 जिहाय ददिरुलारुलविष ॥ दुर्जनयययकानडुकाक विद्यामनयायू कासिम
 लासतयाथवयू लुक्कलसकलारुलयायाविषथयानय ॥ २८ ॥ खल ॥ सर्वयम

जगति यन्त्रिस्तनियन्ति । अस्मन्नाविष्टमणानि नैयन्त्यिनयन्ति ॥ इति नम
 वया द्विद ययुकायाय वरुद, थवइवडाव व्यालयाय वरुद र्वरुद नां मरुद व
 यू ॥ २० ॥ दगनीयाय यमूर्वा, वनवन चनिगुणा ॥ इवसुयिवद न्यन किंशुका
 वयुधिता ॥ वनवनसुखदका दर्सनयाय, वनियनिगुणादवोका, इवसयानसनमि
 यू, लाहासिवाहास्यवोदध ॥ ३० ॥ मूर्वायियविदरुदया, यथकादियदयगु ॥ रिद्य
 तवाकगल्यन, अदृष्टकणुकायथा ॥ इमूर्वजातिरुक्, तालतमाल यतदयगु दूयद
 यगु ववननहाका यूठनमूर्वकणुयायूठनलवधं व्यथावियू ॥ ३१ ॥ सय्यकु वरुखलक
 वरुसय्यकु वरुखलतन ॥ मरुखविदस ॥ सय्यो ॥ खलकनायसायति ॥ सय्यो ॥ उक् ॥

उर्नऊक सय्ययासिनं दूर्जनजतिऊक छठानधावसा मल्लाखधिनसय्यया
 यतयायजिव दूर्जनजतिऊकना डयसान्प्रयायमजिव ॥ ३२ ॥ रुसिरुससहस्रन सत
 रुसनवाजिना ४ गृहिनादगुरुसन दणयागनदूर्जना ४ किमिवायालल्लुक्याचक
 सदीवासवच्चक्याचक दागादाववाइवदाव डिक्याचक दूर्जनवाइवदास्य दसया
 गयादनउडवानुदव ॥ ३३ ॥ रुसिनकिमरुसन कडिरुसनवाजिना ४ गृहिनागुडरुस
 न खमरुसनदूर्जना ॥ किमिवाज्जिमडादवान सदीवासाधडादवान दादववालाद
 डादवान दूर्जनवाइवखयडादवानमाल ॥ ३४ ॥ दूर्जन ४ वचिरुल्लया ४ गामनाल्लिता
 यदि मणिनाल्लितासय्य ४ किमभीनरुयकव ४ दूर्जनशकालतमाल नामसवेइव

सनीं तालतमाल मलिनदुषलयावधानसनीं सय्यवामग्यादायुवा धार्थदूर्जनवाख
 सनीं तालतमाल ॥ ३३ ॥ यागयागविसखन धनूयन्नगथायथा । हणानि ८ प्रवतकीर्ण की ॥
 नाशि ८ प्रवतविषी ॥ यागजुयागविसखन द्वाद्वासावा । धासनकानसायादूदवव दू
 दूटानकानवियाकन विखवव ॥ ३४ ॥ दूदसक विनिसवा नायथातकदावन ८ कलंदूर्ज
 नमायाति हनसूवकि विजवत ॥ विवागकृताजर्षी आवावथमतव कालवलसदूर्जन
 वललाठववदासी वसदूसमैयूशकथं नववास्यवयवव ॥ ३५ ॥ षष्ठीककचकदाया
 आसितिमधूर्यगल । गतकानवषाठव कूडस्याननविद्यत ॥ यालयादावनयूता ययता
 सियुमिखायाक गवच्छिताकानयाक खालयाकधूसियाकइक धलधतं वकीजूनमदू ॥

३६ ॥ कूकूनकूठदूवावाल मेरुसदीयविलयत । विवागसमथकार्य विनासयूगकृति ॥ धा
 नसवाकयतिदूवावविवा मित्रतावसनदतालतमाल कूकानवावसा विवासायातदासी
 कार्यनासइयव ॥ ३७ ॥ मूदूनैवमूदूरुकि मूदूनारुकिदायूनी । नासाधूमदूकिचिर्त
 नस्माति कृतयामदू ८ नायूनकागुमाचकयूव नायूनकाकीमाचकयिव नायूसाध
 ययमजिव नायूनमाचकागुनिचिकृतिमलद धतननायूकाकयासिनीकाकधाय ॥ ३८ ॥
 वनसकलितावकि दहसूलानिवकृति ८ समूलमूलयति आयाधामूदूसितल ॥ गुंमवा
 सीरुयामन नयावनववासीमायूव काइकलंद तवलखवललाठववदाव कीतया
 माचकरुव नायूसितलन ॥ ३९ ॥ कूलवामवलीवद कन्याचवदूरुषिनी डवेलानिव

कृष्णणि द्रवतयविवर्जयत् ॥ सपूलाकधमा खीवाकन्या घाययवव धतयानसताल
 तमाल ॥ ४२ ॥ नरुस्यरिदमेधुन्य येनदाषान्किर्तिर्न । कलहयवृत्तिर्विव द्रवतयविवर्ज
 यत् ॥ गुयतखीयितव विसूनकृक भवयादूखनकृपश्व त्वायडुयस्यडिव धतयानसता
 लतमाल ॥ ४३ ॥ अश्वयानांगडमर्त ८ गाववेवस्यसूतिकी । तथाअनस्यवादाणी द्रवत ८
 यविवर्जयत् ॥ सठ्ठणकिमिमलश्व नकसवावावसा मिथिवथायामिसा धत ८ तायाव
 कीतालतमाल ॥ ४४ ॥ दूर्जनैकसदामिणं यनस्वामिवतिस्मृय ८ गाडीर्लवसु डिर्लव द्र
 वतयविवर्जयत् ॥ दूर्जसीतिमिण यनयूषयाकयतमिसा डिधिसा डिर्लवदवसु ध
 तयानसतालतमाल ॥ ४५ ॥ विस्रामदमिणस्य मिणस्यायिनविषयसत् । कदाचिक्रयित

मिर्ग सर्वगुह्यकाययत् ॥ वेविवाविष्वासयायमतव मिर्गविष्वासयायमतव क
दाचित्मिर्गतमवावडाव समसुगुयतखयकाणयाय ॥ ४३ ॥ नविष्वासकविष्वास विष्वाभेव
विष्वासयत् ॥ विष्वासययमूयन् मूलानेवनिहकति ॥ ४४ ॥ अविष्वासक्याककुर्नविष्वास
यायमतव विष्वासक्याक विष्वासयायमतव विष्वासयाक्याकनान रुयजायजयुदव
हानेतयताकदहनभायरुव ॥ ४५ ॥ नदीनाचिनखीनाचि पृणीनांससुयानिना विष्वासनेव
ककुर्वी सुषुवाजकुलनेव ॥ नदीवाल्सितादाववा गसुडाववा सुवा वाजावा विष्वा
सयादलमषू ॥ ४६ ॥ नदीनिषूयावृक्षा याचनालीनिवाप्रया ॥ ४७ ॥ सामनकवहितावाजा न
रुवनिचियायूष ॥ ४८ ॥ षूणिसवावसिमा आवाचमधलमिसा ॥ मलिमदावाजा धरता

15
 10
 5
 0

स्वायमरुव ॥ ४० ॥ यदीच्छन्ति नित्यं निमित्तं न कावयन् इतमर्थं यथा न व पुन
 कदाचन न ॥ यित्तितादयक यवद्वेन इल लाय धनवादा न यय यथा न निवि
 दग्नियाय धृत्याचमतव ॥ ४० ॥ नगच्छद्वेषविश्वसं न कुर्याद्विलविग्रहं ॥ अत्मानां वि
 तथाकां मित्रवचनकावयत् ॥ दूषवाविश्वसमतव तवविग्रहं मतव धनका विज्ञयमत
 व मित्रवावीविश्वसमतव ॥ ४१ ॥ कनयमन्त्रिवाजानं विप्रश्नवृषलियति ॥ पुवाडिनीवर्त
 शर्त न सवन्ति सदावृषा ॥ कनितिनचवयूमन्त्रियावाजा ॥ दिनिवृत्तिनियदतव
 वाक्म ॥ वृत्तर्गसा न्यासि धृतसववयमतव कर्तनीजनन ॥ ४२ ॥ कर्मलोनासि विप्रसं
 कुर्यात्कृतानति ॥ कनश्चानासि निवृत्ति ॥ कदलानासि विवर्त ॥ कर्मविवाविप्र

5
 0

समद कसियाकवतयावमतव कवाश्चसनिविल्लिमद कदगग स्वायमद ॥ ४३ ॥ ना
 सि सत्यसिदवीच नासीवृषलियतो मद्ययसूददनासि दूतकालं तयनिदि ॥ रव
 याक सत्यमद सुदिनवतिनि काव वाक्म ॥ यासीवमद मतवानयाक दतमद इवाव
 याक धमातीमद ॥ ४४ ॥ दोविप्रविप्रमन्त्रिव दम्यथो सुवलिषया ॥ अन्तर्वनव
 गन्तव्यं कवस्यवृषत स्यच ॥ वाक्म ॥ नम्रस अन्तवसवर्त मन्त्रिवा दगवा अन्तवर्तम
 पूरुखया अन्तवर्त सुववा निदवा अन्तवर्त महादववा धसावा अन्तवर्त धृतस अन्त
 वनवनमतव ॥ ४५ ॥ लोकयागस्यलज दन्दि ॥ यथागलीलता ॥ यश्चयनविद्यन कनक
 यालुसगति ॥ लोकयाग अरुयविव वाजातवत्यागी धनतोथायस गलती धथायस

नायालावकं मतव ॥ ३७ ॥ नाञ्जनं गुक्ताया नि वेकल्यं वदन् प्रतं । नानाया सुववाद्य
 स्यात् न मुखं संकुतं वदन् ॥ अञ्जनं तायुयमद्वय विकलतावनवद्वयतमइव विम
 धिबवेदिमइव मुखं संकुतं तासां क्लायमसव ॥ ३८ ॥ सण्णः शवाः मिणवन्तु व्याधिसंखम
 वव । यूनवद्वयतयस्मात् तस्मात्सर्वनकाययत् ॥ सण्णसंख वाययासंख धृतसंखव
 वाधवययव धृतयायुठदयकं मतव ॥ ३९ ॥ उद्वगेकलहकधु दूतमययवस्मिय ॥ निडामि
 धूनज्जलस्यं भवततनवद्वयत् ॥ रुतासकयाल वलुद्वय इल्लवाय धृतानं यवस्मिय
 कवतं क्कंदं भूधून ज्जलस्य धृतसंखयदिनवाधवययिव ॥ ४० ॥ यवदानायववस्मिय व
 विवादयवस्मिय ॥ यविहासिगुवस्मानं यत्ततं यविधज्जयत् ॥ यवस्मियवधन भवयारवं मतति

वूय रुस्य धृतगुवस्मानं सज्जयत्तया दनतालनमाल ॥ ४० ॥ यथाककार्यरुक्तावं यथकयियवा
 दिनं वज्जयागदसमितं विषकुसुमययामूर्ख ॥ यथाककार्जभाचकव खद्वनथमयाठकुद्वक
 थधिठमिणतालनमाल यसथं ठायलसद्वनलावकाथं ॥ ४१ ॥ कद्वगं अकद्वलिअ कृतायं क्कन
 न्दीनथा । कद्ववचकशाईव वर्यनीयायवस्मिय ॥ मरिद्वयठज्जलिनथाय कूचविगुति
 वी मरिद्वयवा मरिद्वयव मरिद्वज्जलन धृतयणितयनिससिदीतालनमाल ॥ ४२ ॥ उद्वगं
 यादिवूयन वस्मायदितिलाहमा ॥ गायालिभनिका ॥ यव वर्यनीयायवस्मिय ॥ स्वर्गयाउव
 ज्जयसलोयनि वस्मातिलाहमा ॥ गायालिभनका धुसकलवा । उधिठवूयठ्ठिथइव यवस्मिय
 वद्वतालनमाल निवृत्तियाठव ॥ ४३ ॥ यथूकार्यवूविद्वेष सरुसायिरुलोदक ॥ विवलिषू

महादायाः यविवर्द्धिवर्द्धन ॥ गान्धर्वनकार्यसमुदयात् तद्धननरुलदतसर्गविवर्तिसमद
 दाखन धविवर्द्धननतावतमाल ॥ ३४ ॥ लकारकसमयस्य कार्याकर्त्यकृत्यता । सदाकार्यसमद
 दाखन सर्वदाव ॥ ३५ ॥ लकारकसमायाव कार्याकर्त्यकृत्यता सदाकार्यसमदसम
 यथास्तु सदास्तु निश्चयस्य ॥ ३६ ॥ लयवामकलिनानां वाजायवाडिविनी । लयवामकलिनानां
 रुतां कृतायुर्वीयकाविनी ॥ अकलियामिवयाडिविनि नस्यवादनं जावाडावास्तुयथास्तु
 पूर्ववन्निवास्तुयमाल ॥ ३७ ॥ यादयानरित्यंजान ॥ यदयानरित्यंजान ॥ यदयानरित्यंजान ॥
 दुनामायदार्य ॥ सिमायार्यवायु यवयार्यगिगिवकाव यवतयार्यमठं ऊनुयार्य
 मनुष्य ॥ ३८ ॥ माताजदिविवर्द्धयात् पिताविताविकृत्यनसूत ॥ वाजाकवाडुवान्धार्य कामगल

रावेष्टानि ॥ कदाचित्तामनयसविवर्द्धस्य वदूनकायमिवर्द्धस्य वाजानअन्याययातदा
 स्य धववमजवययिवसूइय ॥ ३९ ॥ यगनाजाख्यर्थीव ॥ समन्तिसयूवाहित ॥ गगनाद्वि
 कविष्मामि यगवकातनार्य ॥ गगदगसर्गवाजाथमध्वमसर्व मन्त्रियूवाहित खूइवका
 स्य धथायसडनद्वयाय गगननवकवययूइव अनार्यइव ॥ ४० ॥ विभागलिखितायस्य
 ललाताकलमालिका ॥ देवायिनदिगक्रान्ति सीलिखलिगयून ॥ विभागस्यनक्षत्रासातसवास्यदे
 या आखनयवर्नक्षत्रायवायलियूनमरुत ॥ ४१ ॥ कर्मनीकियधानन वृद्धिनाकियथाडनी यावा
 नस्यकृतावृद्धि मनद्वारविष्टानि ॥ कर्मयुधान वृद्धिधलावृद्धनिशयावृद्धय रागीमडव
 दाववृद्धायागनावृद्धि धनदवडव ॥ ४२ ॥ कर्मगुणियधानानि सन्निकषगुणग्रह वसिष्ठ
 दुरुलानापि जानकिदू ॥ खरागानी ॥ कर्मरागसमान रिष्टवलासगुणग्रहसयाकाका

खतागीश्वर ॥ १२ ॥ सानुकूलरुवरुस्मिन् दायायिगुनसीदितं गुणायिदायमायानि वविकु
 तविधातवि ॥ अनुकूलरुनकास्य दायालगुनमूदाववर् विधाताविमूषइवदास्य गुनया
 लदायइव ॥ १३ ॥ किंकशानिनयारु ययामान ४ सुकर्मरि ४ यायनेवमनूयानां वृद्धिकर्मन
 मोचीणी ॥ कनीक्षमनूयइयाववृथ धवकर्मनयुयाथं मवीमगाक सुर्वयाडीववकनयव
 वृद्धिशयवकर्मलियव ॥ १४ ॥ रुसस्यवृषनदानं सवीकणस्यवृषणं ॥ प्रतीववृषणं कर्णु वृणे
 किययाडनं ॥ लादातयाअलकावदान कणयाअलकावसय दगाथातयाअलकावधर्मरवदन
 अरुवननतियायाडूयथाजनयाय ॥ १५ ॥ ववितृषनसीनां कुमानां वृषवृषनी ॥ वृत्तिवृष

नयूसी यतिनवृषनदया ॥ सीयाअलकावसूवविणइय सियासुवादायाववान मिडन
 यासवितुनवकनययथामसुवा स्वामिसुवादयालइय ॥ १६ ॥ नकणवृषनवृषा नावीनीवृष
 नयति ४ यथीनवृषनवाडा ० नीलसर्ववृषन ॥ नकणयाअलकालवृषमा मिसयाअ
 लकालयवृष पृथीवियाअलकालवाडा समसयाअलकाल सुगीलइय ॥ १७ ॥ मरु
 तामयिरवाप्रवृ ननीवामानमूतमी कसारीयादयातन कालीयस्यविबृषन ॥ तनयका
 इवदास्य अयमानरिग्व विवायाइवदास्यमानिमलिष्व घताथवानसा वृषस्यनगत
 नालतया कालिनागयास माताथइय ॥ १८ ॥ उविनुमिगतीतार्य उविनालेयतिवता ॥ उ
 वि४ कसकवावाडा सीताथवाकणउवि ॥ उजवाअलकालवृषवृषास्य उविउवि ॥ मिसाव

गिबुनाशुवकावसुवि वाजाकमाधाविशुवकावसुवि वाकनसंभुसुशुवकावसुवि
 ॥१९॥ सुविभुमिगर्भभार्य यशुलथानविद्यस्य लयसुनयविद्यस्य अन्यसुनाभुः
 वि॥ सुवि ॥ वसथायामदर्थं धाग्वलीयसुवि थायाथायगावगाव भयथाय सुवि
 नसुविथाय॥ २० ॥ सुसुना सुकास्य कास्य गामुमसुन सुकास्य वरुसा सुकास्य नावि
 नदिवागन॥ सुकासि ॥ नलनवयान कास सुदिथाय मिजवयदूनवायाव सुदिय
 य मागिकशवनमिसा सुदिशय॥ थायाव गमका कन सुदिशव॥ २१ ॥ यिहुनकय
 वदद्यान् माहुदद्यालकनसं लायवामसमदद्यान् स्वयमवकषिबुद्धं ॥ वययाकनाः
 नर्गमयवदिय मामयाकनानरानसविय सायाकनधववासमानविय धमर्थाधमः

कषियागवन ॥ २२ ॥ कयिलाकीवयालान वाकणीगमननय वदाकवविवालयन सम
 धानवकीवदं ॥ कयिलसायाददनाकन वक्रणीगमनयादून वदाकवविवालयन
 न शक्रियदनवकवनय ॥ २३ ॥ सुदिहकनयाहुक मासमकीनिवकर्व कीवमानारवा
 सुदा मृग॥ धानधजायन ॥ सुदिनियालाहानन लक्ष्मिगोक्रिथनसंयानं श्रमं म्माशुद
 शर्व श्रवाकगिभुन विवायादिजायवदिव ॥ २४ ॥ सिलहिनोभुयानावि धुनलीनकु
 शाडन वक्रहिनमर्वकीर्ल विद्याहिनदियार्कर्म ॥ ददमदाश्रमणीमिसाशर्व धवमय
 यकनयाशुद वक्रवाधवसगियाश्रवण विद्यामसववाकणी श्रमं ललाय ॥ २५ ॥ सी
 रनसगीलपयद्र गोरमदिवगादिद्र गोरमनयसायुर्क वर्गं धूलस्य गोरम ॥ लियस

वाढयन् सासाश्वं वक्राङ्गक्याकनानसासा गयनयूकश्वकावसासा
 याद्यालनसासाश्वं ॥१६॥ यक्रासर्वश्रवियानां मुखानकिलदाश्वं यवषासध
 नाविर्वा गवाणविगृहीतमव ॥ वाक्राङ्गयादृष्टायायजय मुखयाकेलरुद्रदाया
 मिसायादृष्टायायजय सायादृष्टायायजय कवलिजाययास ॥१७॥ अग्नीहोत्ररुलवर्दं मि
 लद्वर्किलरुलवर्दं आगियुगुरुलानालि दुरुद्रकुरुलवर्दं ॥ वदरायायादृष्ट अग्नीहोत्र
 याय ॥ मुद्रायादृष्टायायजय कृगमनयादृष्टायायजय कृगमनयादृष्टायायजय कृगमनयादृष्ट
 लदानविय सिनकीमिय नमान ॥१८॥ अग्नीहोत्ररुलवर्दं सुथोदरुमियमिनि वाजा
 दुरुमिदलुन गयसावाक्र भादरुग ॥ अग्निनदरुवययकिवर्दं वाजानदरुव

ययवदलुन वाक्राङ्गनदलुलयय गयववन ॥१९॥ सनसाकं मुर्ममास कलनवाथि
 गीयाधि गङ्गायादकय ४वर्षं कुरुलानामिसिदुर्वा ॥ सनसाक लाहाथन रियाधनि
 वालान वावायान धनका ॥ मिस नयावाकल ॥२०॥ नरुनाममर्गिदयाक रुन्ममाना
 नरुग्यम यय गीकायविमर्ग रुरुमर्गियधिमिग ॥ धमस्यायमर्गव धमद्यावययमर्ग
 व स्यादासायमर्गव धमसागागावगाव शाद्वियधिमिगवाडास नाननवय ॥२१॥
 नमासिरुद्राङ्गिदाय नमदनयमिधून यद्वर्किलववकुराना निद्वर्किलसुसदारुव ॥२२॥
 वानया नदायमदा धनका नदायमदा यानया स्याववावदान धननिमिगि
 ठगकुरुवसा महरुलवाक ॥२३॥ वक्र ४सागवययका यादयागुथी

नखादश्चायिमासं कलामनद्विद्वं ॥ यिवसमननकाका यधिवि
 वाजाननानवियारुलवो यर्कन लामावमाव निजामासिइयारुलवो कल
 साहन कलामिजनन ॥ १२ ॥ अग्निलाय ४ मिथामखा सयवाडकवानिव निग
 वयवालेन सद्य ४ यागंरुवागिषन् ॥ म ४ लंय मि मय सय वाडकलधर्क क्रिथं
 उवालेननकालन यागंमावकरुव धयमान ॥ १४ ॥ धक्कमीसमियावदा वान
 कसुबलादधि यरागमेथननिदा सद्य ४ यागंरुलागिषन् ॥ धूमलिवा क्रिथिमि
 सा मूर्थयासूय वसवाधवि मूर्थमेथनयाळान कदवयान धयमाननकलनन य
 गमावकरुव ॥ १५ ॥ नद्यामीसधूर्गसद्या वालमि कीलराडन कल योदकनक

द्यार्या सद्य ४ यानकवानिषन् ॥ नकखाळला नककायाधल वावमि दूदवा डा
 नयान काकलखनसिमाद्यायान कायकावाळान धयमान यागकलइवमककल
 ॥ १६ ॥ अनादधूगुर्गियिषु गुलायय ययसाधूगुर्गमीस मीसादधूगुर्गियुम
 नयाकनानवाय गुर्गमाध माधयाकनानवाय गुर्गदद ददयाकनानवाय गु
 ण ला लायाकनानवाय गुन यल ॥ १७ ॥ धळामानलवमीन नासइयव मदीला
 शि लागामानिन काव कामि गुकदवी धळामान नासइय ॥ १८ ॥ गारिदि
 धवदध सगिरि ४ सत्यवादिशि अरुददोनगीलेश सकरिदोयनमहि ॥ सद्य

यिमादधू